साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 195 | जौनपुर, शुक्रवार, 12 अप्रैल 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

प्रदेश में अब धूमधाम से कांवड़ यात्रा निकलती है – सीएम योगी

हापुड, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि प्रदेश में किसान, व्यापारी, बेटियों समेत हर नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस करता है और प्रदेश में दंगा नहीं होता है और कर्फ्यू नहीं लगता है। योगी ने कहा कि पहले अपराधियों को सत्ता का संरक्षण प्राप्त होता था, आज अपराधी गले में तख्ती लटकाकर घूमता है कि मेरी जान बख्श दो। उन्होंने कहा कि इसका श्रेय आपको जाता है, क्योंकि आपने अच्छी सरकार चुनी है और आपका वोट जब सही जगह जाता है तो सही कार्य होते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने मंगलवार को हापुड़ में आयोजित जनसभा में कही। उन्होंने अमरोहा से भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी चौधरी कंवर सिंह तंवर के पक्ष में वोट की अपील की। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया जानती है कि आज देश की कमान मजबूत हाथों में है। दुनिया को पता है कि नया भारत बोलता नहीं है, बल्कि घर में घुसकर मारता है।

भारतीय सभ्यता सबसे पुरानी और निरंतर सभ्यताओं में से एक – डोभाल

नई दिल्ली, एजेसी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने मंगलवार को कहा कि भारतीय सभ्यता सबसे पुरानी और निरंतर सभ्यताओं में से एक है और इसका विस्तार भी विशाल है। साथ ही कहा कि अपने इतिहास का समान बोध तथा अपने भविष्य की समान दृष्टि रखने वाले लोग राष्ट्रीयता का निर्माण करते हैं। डोभाल नई दिल्ली में विवेकानंद इंटर नेशनल फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

अजीत डोभाल ने क्या कुछ कहा?

उन्होंने कहा कि देश के इतिहास को लेकर किसी ने कोई सवाल नहीं उठाया है और न ही उठा सकता है, यहां तक कि भारत के आलोचक भी नहीं। पहली है इसकी प्राचीनता। यह सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है और शायद मानव जीवन विकसित हो चुका था और समाज ने खुद को बहुत ऊपर तक परिपूर्ण कर लिया था। अब, यह किसने किया? क्या वे मूल लोग थे या वे बाहर से आए थे, वे इसके बारे में तो पक्षपाती हो सकते हैं, लेकिन वे सभी मानते हैं कि यह प्राचीन सभ्यता है। डोभाल ने भारतीय सभ्यता की दूसरी विशेषता इसकी निरंतरता बताई। उन्होंने कहा, अगर इसकी शुरुआत 4000 या 5000 साल पहले हुई तो यह आज तक लगातार जारी है। उसमें कोई रुकावट नहीं है। तीसरी विशेषता इसका विशाल विस्तार है। यह कोई छोटा– मोटा गांव नहीं थी, जो आपको किसी विकसित द्वीप या उस जैसी किसी जगह पर मिलती हो। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवाद का गठन उन लोगों द्वारा किया जाता है।

एनडीए सरकार सबका साथ, सबका विकास के विजन पर काम कर रही – प्रधानमंत्री मोदी

तमिलनाड, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का भव्य निर्माण होता है, ये लोग उसका भी विरोध करते हैं। मैं तमिलनाडु में भगवान राम से जुड़े स्थानों पर आता हूं, इन्हें उससे भी तकलीफ होती है। ये लोग तो सनातन धर्म को समाप्त करने की धमकी दे रहे हैं। नए संसद भवन में तमिलनाडु की संस्कृति से जुड़े पवित्र सेंगोल की स्थापना होती है, डीएमके उसका बहिष्कार करती है। देश में जब कांग्रेस सरकार थी, राज्यों के साथ इस आधार पर भेदभाव होता था कि कहां किस पार्टी की सरकार है। लेकिन एनडीए सरकार सबका साथ, सबका विकास के विजन पर काम कर रही है। हम कहते हैं विकसित भारत के लिए विकसित तमिलनाडु। इसलिए हमने पिछले 10 सालों में तमिलनाडु के विकास के लिए लाखों–करोड़ों रुपये लगाए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इन फैमिली पार्टियों को लगता है कि इनके बेटे–बेटियों के अलावा कोई गरीब आदिवासी बड़े पद पर बैठ ही नहीं सकता है। लेकिन भाजपा ने पहली बार एक आदिवासी महिला को भारत का राष्ट्रपति बनाया और उस समय भी इंडी अलायंस वालों ने उनका घोर विरोध किया।

केंद्र में मोदी सरकार बनने के बाद दुनिया भर में भारत की हैसियत बढ़ी, कद ऊंचा हुआ - राजनाथ

सहारनपुर, संवाददाता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतत्व में केंद्र में सरकार बनने के बाद दुनिया भर में भारत का कद ऊंचा हुआ है। सहारनपुर में भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में चुनाव प्रचार के दौरान एक जनसभा में राजनाथ सिंह ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतत्व में केंद्र में सरकार बनने के बाद पूरी दुनिया में भारत का कद बढ़ा हैं। पहले जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत बोलता था तो उसकी बातों को गंभीरता से नहीं लिया जाता था। लेकिन आज दुनिया कान खोल कर सुनती हैं कि आखिर भारत बोल क्या रहा हैं। इससे पता चलता हैं कि दुनिया भर में भारत की हैसियत बढ़ी हैं, दुनिया भर में भारत का कद ऊंचा हुआ है। उन्होंने कहा

''देश का रक्षा मंत्री होने की हैसियत से मैं आपको विश्वास दिलाना चाहता हूं कि हम भारत का मस्तक कभी झुकने नहीं देंगे। भारत अब कमजोर भारत नहीं रहा बल्कि ताकतवर बन गया है।'' सिंह ने कहा कि कुछ साल पहले लोगों के बीच यह धारणा थी कि नेता वोट लेने के लिए झूठ बोलते हैं और चले जाते हैं। उन्हें जनता या जनता की परवाह नहीं है। उन्होंने कहा कि देश में राजनेताओं और राजनीतिक दलों के प्रति यही आम धारणा थी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने इस धारणा को बदला है और दिखाया है कि राजनीति कैसे की जाती है। उन्होंने कहा ''यह हमारा चरित्र है कि हम जो कहते हैं वह करते हैं।'' रक्षा मंत्री ने कहा कि अक्सर राजनीतिक दल अपने घोषणा पत्र में बड़े–बड़े वादे करते हैं लेकिन सत्ता में आने के बाद सब भूल जाते हैं। राजनीति केवल सरकार बनाने के लिये नहीं, बल्कि देश बनाने के लिए की जानी चाहिए।

लालू यादव भ्रष्ट हैं, केवल अपने परिवार के लिए जीते है - सम्राट चौधरी

बिहार, एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव पर तीखा हमला बोलते हुए उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि लालू एक भ्रष्ट नेता हैं जो केवल अपने परिवार के लिए जीते हैं। बीजेपी नेता ने कहा कि लालू यादव अब अपनी कथनी और करनी से लोगों पर दबदबा नहीं रखते। वह सांप्रदायिक विवाद फैलाने की कोशिश करते हैं..यह उनकी पुरानी आदत है। वह लंबे समय से ऐसा कर रहे हैं। बिहार की जनता जानती है कि वह भ्रष्ट हैं और सिर्फ अपने परिवार के लिए जीते हैं। वह कभी भी अपने परिवार के बाहर किसी के लिए काम नहीं कर सकता। इस बीच, राजद ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी। लालू यादव की बेटी बीमा भारती को पूर्णिया सीट से मैदान में उतारा गया है, जबकि रोहिणी आचार्य सारण सीट से चुनाव लड़ेंगी, जहां उनका मुकाबला मौजूदा भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूडी

से होगा। पार्टी ने पाटलिपुत्र सीट से मीसा भारती को भी मैदान में उतारा है। जय प्रकाश यादव बांका से और विजय कुमार शुक्ला वैशाली से चुनाव लड़ेंगे। इस सूची में आगामी सात चरण के चुनावों के लिए 22 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। इससे पहले, 2 अप्रैल को, सम्राट चौधरी ने पूछा था कि क्या लालू यादव को पता है कि नीति क्या होती है, साथ ही उन्हें एक नीति का नाम बताने की चुनौती दी थी जिसे उन्होंने शुरू किया था और वर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बंद कर दिया था। सम्राट चौधरी ने कहा, क्या लालू यादव को पता है कि नीति क्या होती है? एक नीति का नाम बताएं जो उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में अपने 15 साल के शासनकाल में शुरू की थी। एक नीति का नाम बताएं जिसे उन्होंने शुरू किया था और नीतीश कुमार ने बंद कर दिया था? इस बीच, राजद प्रमुख लालू यादव की हाल ही में बिहार के सारण जिले में हरिहरनाथ मंदिर की यात्रा पर सम्राट चौधरी ने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का डर था जो विपक्षी खेमे के राजनेताओं को भगवान की ओर आकर्षित कर रहा था। यह पीएम मोदी का डर ही था जिसने उन्हें मंदिर में जाने और दैवीय शरण लेने के लिए प्रेरित किया।

2024 का लोकसभा चुनाव विचारधाराओं के टकराव का प्रतिनिधित्व करता – राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सबसे पुरानी पार्टी के घोषणापत्र पर मुस्लिम लीग छाप के प्रहार पर पलटवार करते हुए कहा कि राजनीतिक मंचों पर किए गए झूठे दावों के बावजूद इतिहास अपरिवर्तित है। पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव विचारधाराओं के टकराव का प्रतिनिधित्व करता है। एक तरफ कांग्रेस खड़ी है, जो भारत को एकजुट करने में अपनी भूमिका के लिए जानी जाती है, जबकि दूसरी तरफ विभाजन को कायम रखने वाले लोग हैं। ये चुनाव दो विचारधाराओं की लड़ाई है! एक तरफ कांग्रेस है जिसने हमेशा भारत को जोड़ा और दूसरी तरफ वो हैं जिन्होंने हमेशा लोगों को बांटने की कोशिश की है। इतिहास गवाह है किसने देश का विभाजन चाहने वाली ताकतों

से हाथ मिला कर उन्हें मजबूत किया और कौन देश की एकता और स्वतंत्रता के लिए लड़ा। उन्होंने कहा कि कौन 'भारत छोड़ो आंदोलन' के समय अंग्रेजों के साथ खड़ा था? जब भारत की जेलें कांग्रेसी नेताओं से भर गई थीं, तब कौन देश को बांटने वाली ताकतों के साथ राज्यों में सरकार चला रहा था? राजनीतिक मंचों से 'झूठ की बौछार' करने से इतिहास नहीं बदलता।

संविधान बचाने की लड़ाई लड़ने वालों को ईडी और सीबीआई से परेशान करवा रही भाजपा – तेजस्वी यादव

बिहार, एजेंसी। राजद नेता तेजस्वी यादव ने बिहार की जमुई लोकसभा सीट से पार्टी प्रत्याशी अर्चना रविदास के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। जमुई के सोनो स्थित आदर्श मध्य विद्यालय

मैदान में रैली को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि मोदी सरकार की कथनी और करनी में बड़ा अंतर है। उन्होंने जनता से देश के विकास का वादा किया था, लेकिन बीते 10 सालों में एक भी वादा पूरा नहीं किया। बीजेपी मतलब बड़का झूठा पार्टी। मोदी की गारंटी को चाइनीज माल की संज्ञा देते हुए उन्होंने कहा कि अभी पीएम मोदी विकास का खूब वादा करेंगे, लेकिन चुनाव खत्म होते ही उनकी पार्टी के नेता अमित शाह बोलेंगे कि यह तो जुमला था। भाजपा पर बड़ा हमला बोलते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि हमारा संविधान खतरे में है। संविधान बचाने की लड़ाई लड़ने वालों को ईडी और सीबीआई से परेशान करवाया जा रहा है। मोदी सरकार ने तीन रुपए में मिलने वाला प्लेटफॉर्म टिकट का दाम बढ़कर 50 रुपए कर दिया। जब मेरे पिता लालू यादव रेलमंत्री थे तो रेलवे का किराया कम था। उन्होंने गरीब रथ चलाने का काम किया। केंद्र सरकार महंगाई को रोकने में नाकाम साबित हुई है। भाजपा वाले पहले कहते थे महंगाई डायन खाय जात है, अब महंगाई उनकी भौजाई हो गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि चाचा पहले कहते थे कि मिट्टी में मिल जाएंगे, भाजपा में नहीं जाएंगे। चाचा हैं, उनका सम्मान करते हैं। कुछ बोलेंगे नहीं, लेकिन इतना जरूर कहेंगे कि इस उम्र में उन्हें एक जगह रहना चाहिए।

देश को नक्सल समस्या से मोदी सरकार ने दिलाई मुक्ति- अमित शाह

बिहार, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बिहार में है। गया में उन्होंने चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने कहा कि पीएम मोदी ने देश को नक्सली समस्या से मुक्ति दिलाई। आज यहां सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य की बात हो रही है। उन्होंने कहा कि मैं पीएम मोदी को धन्यवाद देता हूं कि सालों बाद बिहार के पूर्व सीएम कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिया गया। लालू जी भी कसीदे पढ़ते थे...कांग्रेस आई और सत्ता खो दी लेकिन कर्पूरी ठाकुर को कभी उचित सम्मान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने कर्पूरी ठाकुर जी को सम्मानित कर समस्त पिछड़ा समाज का सम्मान किया है। शाह ने कहा कि 2014 में, बिहार के लोगों ने हमें (भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को) 40 में से 31 सीटें दीं। 2019 में उन्होंने हमें 40 में से 39 सीटें दीं। इस बार, मैं आपसे एनडीए को सभी

40 सीटें जीतने में मदद करने का अनुरोध करता हूं। उन्होंने कहा कि मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का मलतब है– भारत को दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा अर्थतंत्र बनाना। चंद्रयान, मंगलयान, आदित्य मिशन की सफलता दर्ज करना। कश्मीर, नार्थईस्ट... जैसे वामपंथी उग्रवादी क्षेत्र से उग्रवाद का सफाया करना। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी तुष्टिकरण करने वाली पार्टी है। कांग्रेस की चार पीढ़ियां, जवाहर लाल नेहरू से लेकर इंदिरा तक और राजीव गांधी से लेकर राहुल गांधी तक... सभी ने तुष्टिकरण ही किया है। ये कहते हैं, हम मुस्लिम पर्सनल लॉ को फिर से लाएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी तुष्टिकरण की राजनीति करती है और इनके सांसद कहते हैं कि दक्षिण भारत को उत्तर भारत से अलग कर देंगे। इस पर सोनिया गांधी और राहुल गांधी चुप हैं। अरे, कांग्रेस वालों शर्म करो, कितनी बार देश तोड़ोगे? एक बार 1947 में तोड़ दिया लेकिन अब मोदी जी का राज है, हम देश को तोड़ने नहीं देंगे।

भारत के बाहर भी काम करती है मोदी की गारंटी - विदेश मंत्री एस जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया भर में भारतीयों की सुरक्षा के लिए किए गए निकासी अभियानों पर प्रकाश डालते हुए, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की मोदी की गारंटी का आश्वासन दोहराया, जो भारत की सीमाओं से परे तक फैली हुई है। विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने नागरिकों के लिए भारत सरकार के समर्थन की विश्वसनीयता पर जोर दिया, चाहे वे विदेश में संकट का सामना करें या यूक्रेन, इजराइल या सूडान जैसी चुनौतियों का सामना करें। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री के रूप में, मैं पुष्टि कर सकता हूं कि मोदी की गारंटी हमारी सीमाओं से परे भी काम करती है, जहां भी हमारे नागरिक या यहां तक कि हमारे हमवतन खुद को फंसा हुआ पाते हैं। एस जयशंकर ने कहा कि जो लोग रोजगार के लिए या पर्यटक बनकर विदेश जाते हैं, या छात्र

पढ़ाई के लिए जाते हैं, उन्हें भी पूरा भरोसा है कि मोदी का भारत, जैसा कि आज है, हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा। अगर कहीं भी कोई समस्या आती है तो हम उनके लिए मौजूद हैं। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने राजस्थान के बिकानेर में एनडीए सरकार की उपलब्धियों के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि आज हम यूपीआई के जरिए कैशलेस पेमेंट करते हैं। हमारे यहां एक माह में 120 करोड़ रुपये का लेनदेन होता है. जबकि अमेरिका एक साल में 40 करोड़ रुपये का डिजिटल लेनदेन करता है।

विदेश मंत्री ने कहा कि आपको देखना चाहिए कि हमने कुछ क्षेत्रों में कैसे प्रगति की है....हमारे चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न हुए हैं। दूसरे देशों में चुनाव प्रक्रिया पर जिस तरह सवाल उठाए जाते हैं, वैसा यहां नहीं होता. हमें इसके लिए खुद की सराहना करनी चाहिए। कच्चाथीवू द्वीप विवाद पर विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि हम जनता को यह समझाना चाहते हैं कि डीएमके तमिलनाडु में क्या कर रही है... हम इस तथ्य को उजागर कर रहे हैं कि डीएमके शुरू से ही इसमें शामिल थी।

अब समय आ गया है कि केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री से इस्तीफा दें– पुरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उच्च न्यायालय में उनकी गिरफ्तारी और हिरासत में भेजे जाने के खिलाफ दाखिल याचिका खारिज होने के बाद नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

मंत्री नेकहा कि नवंबर 2023 से मार्च 2024 के बीच केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नौ समन जारी किए थे। उन्होंने दावा किया कि केजरीवाल पिछले छह महीनों से किसी न किसी बहाने से इन नोटिस से बचते रहे। पुरी ने एक बयान में कहा, ''अब समय आ गया है कि अरविंद केजरीवाल नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दें।'' उन्होंने कहा कि कानून ने उन्हें पकड़ लिया है और अदालत ने 'कठोरता' से ईडी द्वारा उनकी गिरफ्तारी और रिमांड को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए गिरफ्तारी को बरकरार रखा है। पुरी ने कहा कि केजरीवाल का मुख्यमंत्री पद पर बने रहना ''बेशर्मी'' है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए और किसी और को दिल्ली सरकार चलाने देना चाहिए।

संपादकीय

स्वतंत्र, निष्पक्ष चुनाव

2024 की फ्रीडम हाउस रिपोर्ट में बांग्लादेश को आंशिक रूप से स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। भारत और पाकिस्तान जैसे दक्षिण एशिया के अन्य देशों को भी इसी तरह वर्गीकृत किया गया है। बांग्लादेश आज एकदलीय राज्य है। बेशक, संसद (जातियो संसद) अभी भी मौजूद है और अन्य पार्टियाँ भी मौजूद हैं। लेकिन प्राथमिक विपक्षी दल गायब है और उसकी नेता बेगम खालिदा जिया को दोषी ठहराया गया है। जनवरी 2024 में, बांग्लादेश में आम चुनाव हुए जिसमें सत्तारूढ़ अवामी लीग ने 224 सीटें जीतीं, जिससे उसे 300 सीटों वाली संसद में दो–तिहाई बहुमत मिला। पिछले चुनाव में खालिदा जिया ने चुनाव कराने के लिए कार्यवाहक सरकार की मांग की थी, जिसे प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अस्वीकार कर दिया था। विपक्षी नेताओं को जेल भेजने और प्रताड़ित करने सहित सरकारी तंत्र के दुरुपयोग के आरोप आम हैं। यही कारण है कि निर्वाचित सरकार होने के बावजूद, बांग्लादेश को आंशिक रूप से स्वतंत्रष के रूप में वर्गीकृत किया गया है। भारत ने बांग्लादेश चुनाव की सराहना की थी. प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया। प्रधानमंत्री शेख हसीना से बात की और उन्हें संसदीय चुनावों में लगातार चौथी बार ऐतिहासिक जीत पर बधाई दी। मैं बांग्लादेश के लोगों को चुनाव के सफल संचालन के लिए भी बधाई देता हूं।श्श अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका अन्य पर्यवेक्षकों के साथ विचार साझा करता है कि ये चुनाव स्वतंत्र या निष्पक्ष नहीं थे और हमें खेद है कि सभी दलों ने भाग नहीं लिया। अगले महीने, फरवरी 2024 में, पाकिस्तान में चुनाव हुए और पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान को जेल हुई। अमेरिका ने कहारू "हम विश्वसनीय अंतरराष्ट्रीय और स्थानीय चुनाव पर्यवेक्षकों के साथ उनके आकलन में शामिल हैं कि इन चुनावों में अभिव्यक्ति, संघ और शांतिपूर्ण सभा की स्वतंत्रता पर अनुचित प्रतिबंध शामिल थे। हम चुनावी हिंसा, मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता के प्रयोग पर प्रतिबंध, मीडिया कर्मियों पर हमलों सहित, और इंटरनेट और दूरसंचार सेवाओं तक पहुंच पर प्रतिबंध की निंदा करते हैं, और चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप के आरोपों को लेकर चिंतित हैं। हस्तक्षेप या धोखाधड़ी के दावों की पूरी जांच की जानी चाहिए। पाकिस्तान ने बांग्लादेश की तरह विपक्ष–मुक्त लोकतंत्र बनने की कोशिश की लेकिन कम सफल रहा। जेल में बंद इमरान खान फिर भी एक तिहाई वोट पाने में सफल रहे. जैसा कि दुनिया के हमारे हिस्से में आम है, आधिकारिक एजेंसियों के स्वस्थ उपयोग के साथ, चुनाव के बाद उनकी पार्टी के सांसदों को रोशनी देखने के लिए ष्आश्वस्तष करना निस्संदेह जारी रहेगा। 1977 में, पाकिस्तान में चुनाव हुआ जो सत्तारूढ़ दल ने जीता, उस समय प्रधान मंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो लोकप्रिय थे। उनकी लोकप्रियता के बावजूद, चुनाव को स्वतंत्र या निष्पक्ष नहीं माना गया, विपक्ष कमजोर होने के बावजूद राज्य में पिछड़ गया। उस काल की घटनाओं का परिणाम पाकिस्तान को चार दशकों तक भुगतना पड़ा। लोकतंत्र वहीं स्वस्थ है जहां चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट जैसी संस्थाओं की स्वतंत्रता का सक्रिय पोषण होता है। इसका मतलब सरकार से उनकी स्वतंत्रता है। जहां विपक्ष को यह नहीं लगता कि वह एक फिक्स्ड मैच में खेल रहा है, जहां एक टीम के लिए अलग–अलग नियम हैं और जहां अंपायर उनके खिलाफ पक्षपाती हैं। ये बुनियादी बातें हैं लेकिन दुर्भाग्य से इन्हें बार–बार दोहराने की जरूरत पड़ती है। भारत 2014 से लगातार फिसलता जा रहा है और आज जहां है वहां पहुंच गया है। इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट का लोकतंत्र सूचकांक नागरिक स्वतंत्रता, बहुलवाद, राजनीतिक संस्कृति और भागीदारी और चुनावी प्रक्रिया पर नजर रखता है। 2014 में भारत 27वें स्थान पर था. 2020 में, भारत को ष्त्रुटिपूर्ण लोकतंत्रष के रूप में वर्गीकृत किया गया था। पिछले साल रैंकिंग 41 थी. यह नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लोकतांत्रिक गिरावट का परिणामष था और मोदी के तहत धर्म के बढ़ते प्रभाव, जिनकी नीतियों ने मुस्लिम विरोधी भावना और धार्मिक संघर्ष को बढ़ावा दिया है, ने देश के राजनीतिक ताने–बाने को नुकसान पहुंचाया हैष। सिविकस मॉनिटर की नेशनल सिविक स्पेस रेटिंग्स लोकतंत्र के लिए आवश्यक संघ, शांतिपूर्ण सभा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की निगरानी करती है। 2017 में भारत की रेटिंग ष्अवरुद्धष थी लेकिन तब से यह गिरकर दमित हो गई है। मार्च 2022 में, सिविकस ने कहा– भारत को उन देशों की निगरानी सूची में शामिल किया गया है, जिन्होंने नागरिक स्वतंत्रता में तेजी से गिरावट देखी हैष और प्रधान मंत्री मोदी आलोचकों को चुप कराने के लिए कठोर उपायों का सहारा लेना जारी रखते हैं। फ्रीडम हाउस का कहना है कि ष्बीजेपी ने राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिए सरकारी संस्थानों का इस्तेमाल तेजी से किया हैष। गोथेनबर्ग विश्वविद्यालय की वी–डेम रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत को षपिछले 10 वर्षों में दुनिया के सभी देशों के बीच सबसे नाटकीय बदलावों में से एकष का सामना करना पड़ा है। इसमें कहा गया है कि नरेंद्र मोदी के तहत, भारत ने लोकतंत्र के रूप में अपनी स्थिति खो दी और हंगरी और तुर्की जैसे देशों में शामिल होकर इसे ष्चुनावी निरंकुशताष के रूप में वर्गीकृत किया गया। अभिव्यक्ति, मीडिया और नागरिक समाज की स्वतंत्रता के मामले में, भारत ष्पाकिस्तान जितना निरंकुश और बांग्लादेश और नेपाल दोनों से भी बदतरष था। दुनिया के हमारे हिस्से में लोकतंत्र इसी तरह मरता है, बी के साथ नहीं गुस्से में लेकिन फुसफुसाहट के साथ।

इस चुनाव में हर वोट का वजन

विनोद

जैसा कि आपने आज इसे पढ़ा है, हम दुनिया के अब तक के सबसे बड़े चुनाव की मेजबानी के लिए भारत के चुनाव आयोग के नेतृत्व में चल रही तैयारियों के बीच में हैं। लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल को शुरू होते हैं और 1 जून को समाप्त होते हैं। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जो कई हफ्तों तक चलती है और 4 जून को नतीजे वाले दिन समाप्त होती है। इसलिए अब, भारत पर चुनावी बुखार चढ़ा हुआ है। जैसे–जैसे 2024 की यह अत्यधिक गर्मी झुलसा रही है, हर पार्टी के राजनेता धूप में बाहर निकल रहे हैं, मतदाताओं के दिलों और घरों में अपना प्रचार कर रहे हैं। हवा में हेलीकॉप्टर हैं, हर पार्टी के झंडे हैं, और टेलीविजन, प्रिंट तथा अन्य सभी मीडिया पर चुनाव का शोर–शराबा है। अचानक, महान भारतीय मतदाता बहुत विशेष और नियंत्रण में महसूस कर रहा है। यह एक ऐसा मौसम है जहां मतदाता ही मालिक है और बाकी सभी कुछ खास नहीं हैं। यह ऋतु हर पांच साल में एक बार आती है। कोई भी इसके क्षणभंगुर क्षणों का आनंद ले सकता है। संयोगवश, 2024 में 64 देशों में चुनाव होने हैं, लेकिन उनका कोई भी प्रयास भारत में जो हो रहा है, उससे मेल नहीं खाता। इस चुनाव में भारत में 96. 8 करोड़ योग्य मतदाताओं को लुभाया जा रहा है। यह अमेरिकी चुनाव (24.4 करोड़ पात्र मतदाता) से चार गुना बड़ा है। 10.5 लाख मतदान केंद्र, 1.5 करोड़ ड्यूटी पर तैनात अधिकारी और 1.82 करोड़ पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं को जोड़ दें, और संख्याओं का खेल सामने है। यह पहले से कहीं ज्यादा बड़ा है. चुनावी सरगर्मी के कई आयाम हैं. एक तरफ, यह एक बुखार है जो हर उम्मीदवार, हर राजनीतिक दल और मैदान में पसीना बहाने वाले हर पार्टी कार्यकर्ता को जकड़ लेता है। दूसरे छोर पर मध्यस्थ मीडिया है। ये वे महीने हैं जब टेलीविजन समाचार दर्शकों की संख्या चरम पर होती है। वस्तुतः हर आधे घंटे में एक ब्रेकिंग न्यूज आती है। समाचार पत्र हर प्रकार के पंडितों द्वारा एकत्र किए गए निर्वाचन क्षेत्र–स्तरीय विश्लेषणों से भरे होते हैं। विवाद का मिलान प्रति–विवाद से होता है। घोटाले की पाठशाला सचमुच पूरे जोरों पर है। एक–दूसरे को बुरा–भला कहना आम बात लगती है। एक की बात को दूसरे की बात से नकारना एक अच्छी तरह से विकसित विज्ञान है। अफवाह और साजिश सिद्धांत दोस्त और दुश्मन हैं जो हर पल हमारे बीच तैरते रहते हैं। हममें से हर कोई इसका इतना आदी हो गया है कि किसी को भी वास्तव में आश्चर्य नहीं होता। जबकि हममें से एक छोटा सा समूह इसे महान चुनावी खेल का हिस्सा मानकर अनदेखा कर देता है, वहीं कई लोग वास्तव में चारा निगल जाते हैं। विज्ञापन, इवेंट मैनेजमेंट, पीआर, प्रचार और ब्रांड बिल्डिंग पूर्ण प्रवाह में सकारात्मक शक्तियां हैं। अफवाह की नकारात्मक शक्तियां, लगाया गया झूठ और रची गई साजिश ये सभी ऐसे उपकरण हैं जिनका उपयोग कई लोग करते हैं। प्रत्येक ब्रेकिंग घटना को चुनावी मैदान में राजनीतिक दलों द्वारा निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर उत्सुकता से देखा जाता है और कार्रवाई और प्रतिकार करने के लिए अपने चुनावी युद्ध कक्ष में वापस भेज दिया जाता है। इसलिए, समग्र वातावरण काफी चार्ज है। जीतने की कोशिश हर उम्मीदवार और हर राजनीतिक दल के पास है। आज की स्थिति के अनुसार, भाजपा और एनडीए पूरी तरह से ष्अब की बार 400 पारष की भावना से ग्रस्त दिख रहे हैं, भारतीय पार्टियों का समूह एक ऐसे हंगामे की उम्मीद कर रहा है जो अभी के लिए शांत, अज्ञात, लेकिन निर्णायक होगा। लड़ाई ने मौजूदा गोलियथ की रेखाओं को स्पष्ट रूप से सीमांकित कर दिया है, जिसमें एक डेविड नहीं, बल्कि संभवतः कई खंडित लोग लड़ रहे हैं। भारतीय गठबंधन उलटफेर की उम्मीद कर रहा है, ठीक उसी तरह जैसे भाजपा के साथ सत्तारूढ़ एनडीए एक निर्णायक जीत की उम्मीद कर रहा है, और तीसरी बार प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की सत्ता में वापसी की उम्मीद कर रहा है। जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन प्रधान मंत्री मोदी और उनके शासन के शानदार प्रदर्शन पर निर्भर है (जैसा कि सार्वजनिक भावनाओं द्वारा देखा और व्यक्त किया गया है), भारत की टीम मूक बहुमत और उसकी अव्यक्त भावना के आधार पर उलटफेर की उम्मीद कर रही है, जो क्या मतगणना का दिन आने तक रहस्य उजागर नहीं होते? हमारे सामने आने वाले चुनाव की सुंदरता यह गुप्त मतदान है जिसे संरक्षित और सम्मानित किया जाता है। एक ऐसा मतपत्र जो बड़े से बड़े को चलने के लिए कहने की क्षमता रखता है। एक ऐसा मतदान जिसने अतीत में सबसे शक्तिशाली लोगों को नम्र किया है। यहां तक कि एक पवित्र मतपत्र भी. जैसे–जैसे हम मतदान की तारीखों के करीब आ रहे हैं, भारतीय नागरिकों के रूप में हम सभी के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम वोट के मूल्य को समझें और इसका सम्मान करें। यह एक स्वैच्छिक वोट है, अनिवार्य नहीं। हालाँकि, यह वोट हमारे अधिकार और महत्वपूर्ण रूप से हमारे कर्तव्य का प्रतिनिधित्व करता है। जबकि हम अपने अधिकार का त्याग कर सकते हैं, हम अपने कर्तव्य का त्याग कैसे कर सकते हैं? इसे हमें अवश्य निभाना चाहिए। याद रखने योग्य एक महत्वपूर्ण डेटा बिंदु यह है कि 17वीं लोकसभा के लिए 2019 के चुनाव में 91.2 करोड़ लोगों की योग्य मतदाता सूची में से 67 प्रतिशत ने अपना मतदान किया था। करीब 33 फीसदी ने वोट न देने का फैसला किया. फिर वोट क्यों दें? बहुत से कारण। हममें से जो लोग मतदान करते हैं, भाग लेते हैं। जो नहीं करते, वे आउटसोर्स करते हैं। हममें से जो लोग बात करते हुए मतदान करते हैं वैसे ही अन्य लोग भी बात करते हैं। हर चुनाव एक जनादेश मांगने वाली घटना है। यदि आप और मैं मतदान नहीं करते हैं तो इस जनादेश का अपहरण हो सकता है। जनादेश का मतलब बहुमत का जनादेश होता है। क्या आप चाहते हैं कि वोट देने आने वाले अल्पसंख्यकों द्वारा इस पर कब्जा कर लिया जाए? प्रत्येक चुनाव अपने साथ सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और धार्मिक परिणाम लेकर आता है। क्या आप इन चोरों पर नियंत्रण रखना चाहते हैं?

हरित ऋण योजना को नया स्वरूप

आदित्य

केंद्र द्वारा हाल ही में शुरू किए गए ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम को देश के लिए एक स्थायी भविष्य के

निर्माण के लिए बड़े पैमाने पर पर्यावरण–अनुकूल कार्यों को बढ़ावा देने के लिए एक अभिनव पहल के रूप में दावा किया जाता है। पीआईबी के अनुसार, ग्रीन क्रेडिट नियम, 2023 को पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के तहत 12 अक्टूबर 2023 को अधिसूचित किया गया है। ये नियम स्वैच्छिक पर्यावरणीय सकारात्मक कार्यों को प्रोत्साहित करने के लिए एक तंत्र स्थापित करते हैं जिसके परिणामस्वरूप ग्रीन क्रेडिट जारी होते हैं। इसके प्रारंभिक चरण में वन विभाग के नियंत्रण एवं प्रबंधन के अंतर्गत निम्नीकृत भूमि, बंजर भूमि, जलग्रहण क्षेत्र आदि पर स्वैच्छिक वृक्षारोपण की परिकल्पना की गई है। ग्रीन क्रेडिट नियम, 2023 के तहत ग्रीन क्रेडिट का सृजन कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग स्कीम 2023 के तहत कार्बन क्रेडिट से स्वतंत्र है। पर्यावरण पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने वाली आठ महत्वपूर्ण गतिविधियाँ जैसे वृक्षारोपण, जल संरक्षण, प्राकृतिक खेती, अपशिष्ट प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण, मैंग्रोव संरक्षण और बहाली और हरित भवन निर्माण को इस कार्यक्रम के तहत शामिल करने के लिए चुना गया है। 22 फरवरी, 2024 को पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा नियम जारी करने के साथ, वृक्षारोपण गतिविधि ा से हरित क्रेडिट के संचालन की प्रक्रिया सार्वजनिक हो गई है, जबकि अन्य गतिविधियों से संबंधित ऐसी कार्रवाई अभी भी लंबित है। ये नियम बताते हैं कि राज्य के वन विभाग निम्नीकृत वन भूमि खंडों की पहचान करते हैं और इच्छुक व्यक्तियों और एजेंसियों से जुटाए गए वित्त से वहां वृक्षारोपण करते हैं। संबंधित राज्य वन विभागों द्वारा रोपण के दो साल बाद, भारतीय वन अनुसंधान और शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) विधिवत आवश्यक मूल्यांकन करने के बाद ग्रीन क्रेडिट प्रदान करती है। व्यक्तियोंध्एजेंसियों द्वारा अर्जित ऐसे ग्रीन क्रेडिट का उपयोग वन संरक्षण अधिनियम (एफसीए) औरया कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) आवश्यकताओं के तहत अपने दायित्वों की भरपाई के लिए किया जा सकता है। वृक्षारोपण, ए दोषपूर्ण योजना यद्यपि यह कार्यक्रम कार्बन तटस्थता प्राप्त करने और पर्यावरण में सुधार लाने के प्रशंसनीय इरादे पर आधारित है, लेकिन वृक्षारोपण की योजना कई मायनों में त्रुटिपूर्ण है। सबसे पहले, प्राकृतिक वन आम तौर पर बहुस्तरीय संरचनाएं होते हैं जिनमें वन तल, जड़ी–बूटियां, झाड़ियां, लताएं, वृक्षों के साथ–साथ संबंधित वन्यजीवन शामिल होते हैं, वहां पेड़ लगाने का हस्तक्षेप अनुपयुक्त होगा और किसी भी सुध ार को सुरक्षित नहीं कर सकता है। इसके अलावा, वृक्षारोपण से गंभीर जैव विविधता हानि, मिट्टी और जल संरक्षण पर प्रतिकूल प्रभाव, मिट्टी के कार्बन उत्सर्जन में वृद्धि और जंगलों की समग्र कार्बन भंडारण क्षमता में कमी पाई गई है। दुनिया के विभिन्न हिस्सों के केस अध्ययनों से पता चला है कि प्राकृतिक जंगलों में वृक्षारोपण से जंगलों को बड़े पैमाने पर नुकसान होता है, जिससे पर्यावरण और स्वदेशी लोगों और अन्य स्थानीय समुदायों की आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है (फ्रेंड्स ऑफ द अर्थ इंटरनेशनल, 2000)। यह वैज्ञानिक रूप से सिद्ध है कि वृक्षारोपण वनों की तुलना में प्राकृतिक वनों में कार्बन सोखने की क्षमता काफी अधिक होती है। दूसरा, निम्नीकृत वन क्षेत्रों की पहचान करना और निम्नीकरण की स्थिति का आकलन करना एक बड़ी चुनौती है। हमारे देश में वन 200 से अधिक प्रकार के हैं, जिनमें से प्रत्येक अपनी अनूठी विशेषताओं को प्रदर्शित करता है। यदि वृक्षों के घनत्व और लकड़ी की उत्पादकता के दृष्टिकोण से देखा जाए तो कई प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र विकृत वनों के रूप में दिखाई देते हैं। उदाहरण के लिए, उष्णकटिबंधीय कांटेदार वन, विभिन्न घास भूमि वन और अन्य आम तौर पर अपमानित वन के रूप में दिखाई देते हैं और वहां वृक्षारोपण करने से गंभीर पारिस्थितिक क्षति हो सकती है। तीसरा, वन संरक्षण अधिनियम के तहत दायित्वों की भरपाई के लिए ग्रीन क्रेडिट का उपयोग करने की सुविधा केवल रोपण व्यय के भुगतान के साथ वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए वन भूमि के डायवर्जन की प्रक्रिया को आसान बनाती है और प्रतिपूरक वनीकरण के लिए अतिरिक्त भूमि के प्रावधान से बचती है, जिसके परिणामस्वरूप मूल उद्देश्य की विफलता होती है। अधि ानियम जिसका उद्देश्य शुद्ध शून्य उत्सर्जन प्राप्त करना है। इसके अलावा, यह प्रावधान अनावश्यक वन विविधताओं की संख्या में वृद्धि को बढ़ावा देगा, जिससे पर्यावरणीय तबाही हो सकती है। चौथा, कार्बन पृथक्करण का कोई वृद्धिशील लाभ नहीं होगा क्योंकि यह योजना नई हरियाली जोड़ने के बजाय मौजूदा प्रतिपूरक वनीकरण के बदले में ली गई है। योजना में नवीनता दिखाने जैसा कुछ भी नहीं है। पांचवां, योजना का उद्देश्य निजी स्रोतों से जंगलों में वृक्षारोपण के लिए भारी धन जुटाना प्रतीत होता है और यह तर्कसंगत नहीं है क्योंकि जंगलों में वृक्षारोपण कार्यक्रम के विस्तार के लिए धन कभी भी एकमात्र सीमित कारक नहीं था। समय की मांग यदि वन क्षरण से निपटने को प्राथमिकता के रूप में लिया जाता है, तो एकल वृक्षारोपण के बजाय उचित वन बहाली उपाय शुरू करना आवश्यक है। पुनर्योजी वानिकी जिसमें उनस शामिल है।

लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, संघवाद और कानून का शासन

आसिफ

18वीं शताब्दी का एक काल्पनिक जर्मन रईस– प्रवारिकेटर, बैरन मुन्चहौसेन, अपने दोस्त की संपत्ति के लिए घोड़े पर यात्रा करते समय एक दलदल के बीच में उतरा। ऐसा कहा जाता है कि बैरन ने, भले ही वह थकान से सुस्त हो गया था, आपातकाल का जवाब देते हुए खुद को और अपने घोड़े को अपनी चोटी से सीधे दलदल से बाहर खींच लिया। हंस अल्बर्ट ने क्रिटिकल रीजन पर अपने ग्रंथ में, मुंचहाउजेन ट्राइलेम्मा शब्द को एक विचार प्रयोग के रूप में यह प्रदर्शित करने के लिए गढ़ा कि, धारणाओं को आकर्षित किए बिना, किसी भी सच्चाई या उसकी वैधता को साबित करना सैद्धांतिक रूप से असंभव है, खासकर तर्क और गणित के दायरे में। अल्बर्ट के अनुसार, किसी भी ज्ञान को निश्चित रूप से सिद्ध नहीं किया जा सकता क्योंकि किसी प्रस्ताव के समर्थन में प्रस्तुत किए गए किसी भी तर्क या प्रमाण को अतिरिक्त प्रश्न पूछकर चुनौती दी जा सकती है जो प्रत्येक प्रमाण के बारे में संदेह पैदा करते हैं। अंततः, हम खुद को ऐसी स्थिति में पाते हैं जहां प्रत्येक प्रमाण के लिए दूसरे प्रमाण की आवश्यकता होती है, या एक तार्किक चक्र में जहां किसी प्रस्ताव का प्रमाण उसी प्रस्ताव की सच्चाई पर या स्वीकृत उपदेशों पर निर्भर करता है जो समर्थित होने के बजाय मुखर होते हैं। यदि त्रिलम्मा वैध है, तो कोई भी कथन, ज्ञान या सत्य वैध रूप से सिद्ध नहीं किया जा सकता है। तीनों विकल्पों में से प्रत्येक, जैसा कि स्पष्ट है, किसी भी निश्चित आधार को स्थापित करने की संभावना को निराश करता है, जिससे हम अनिश्चितता में फंस जाते हैं और, बैरन की तरह, खुद को अपनी ही चोटी से दलदल से बाहर निकालना पड़ता है। कानून में, कानूनी वैधता इस बात से निध ारित होती है कि कोई कानून राज्य के अधिकृत अंग द्वारा उचित तरीके से बनाया गया था या नहीं। लेकिन किसी अंग को अधिकृत मानने के लिए कौन से मानदंड पूरे होने चाहिए? और एक ढंग को उचित होने के रूप में क्या परिभाषित करता है? धारणाओं की अपील किए बिना, इसकी जांच अनिवार्य रूप से औचित्य की एक अंतहीन श्रृंखला में परिणत होगी। इस श्रृंखला को बाधित करने के लिए, हमें एक अपरिहार्य मुंचहाउजेन त्रिलम्मा का सामना करना पड़ रहा है। देश, तीन विकल्पों में से किसी एक के भिन्न प्रकार या उनके मिश्रण का सहारा लेकर, न केवल अपने स्वयं के अधिकार और अपनी कानूनी प्रणालियों को सही ठहराने की कोशिश करते हैं, बल्कि अपने द्वारा बनाए गए कानूनों की वैधता को भी सही ठहराने की कोशिश करते हैं। उदाहरण के लिए, यूरोपीय कानूनी प्रणालियों का सामुदायिक कानून प्राचीन रोमन कानूनों (जस्टिनियन के कॉर्पस ज्यूरिस सिविलिस में संकलित) और कैथोलिक चर्च के तोप कानून में अपनी जड़ें तलाशता है। फिर भी, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि ये औचित्य का एक अंतहीन क्रम प्रदान नहीं करते हैं, क्योंकि यह क्रम केवल रोमन गणराज्य के समय तक ही फैला हुआ है। कई देशों ने एक स्वीकृत सत्य या सिद्धांत के आधार पर अपनी कानूनी प्रणालियों की वैधता को उचित ठहराने की कोशिश की है। भारत, बांग्लादेश और युगांडा जैसे देशों ने अपने संविधान के कुछ मूलभूत सिद्धांतों के आधार पर अपनी प्रणालियों को उचित ठहराया है, जिसे वे स्वयंसिद्ध या ग्रंडनॉर्म के रूप में स्वीकार करते हैं, जिसे हंस केल्सन ने उच्चतम रैंकिंग वाले अनुमानित मानदंड के रूप में दावा किया है। उदाहरण के लिए, भारतीय कानूनवैध है क्योंकि यह अपनी वैधता भारतीय संविधान से प्राप्त करता है।

तमिलनाडु के 40 में से कई निर्वाचन क्षेत्रों में त्रिकोणीय मुकाबला

ललित

आगामी लोकसभा चुनाव में तमिलनाडु के 40 में से कई निर्वाचन क्षेत्रों में त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिलेगा। विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने वाला द्रमुक गठबंधन कायम है, जबकि अन्नाद्रमुक ने भाजपा से नाता तोड़ लिया है। इस बीच, भगवा पार्टी ने अपना स्वयं का गठबंधन बनाया है, जिसमें ऐसी पार्टियाँ शामिल हैं जिनसे उसे उम्मीद है कि गौंडर्स, वन्नियार और थेवर सहित प्रमुख जातियों से वोट मिलेंगे। पिछले कुछ समय से, इसने आर्थिक रूप से शक्तिशाली नादर समुदाय के वर्गों के साथ अपना वोट मजबूत कर लिया है। इतिहास की दृष्टि से वर्तमान क्षण को प्रासंगिक बनाना उपयोगी है। 1967 में, द्रमुक ने एक गठबंधन के समर्थन से कांग्रेस को सत्ता से बेदखल करते हुए विधानसभा चुनावों में जीत हासिल की, जिसमें रूढ़िवादी स्वतंत्र पार्टी से लेकर सीपीआई (एम) तक सभी राजनीतिक दलों की पार्टियां शामिल थीं। इसके बाद, कांग्रेस ने द्रमुक में दरार पैदा करने वाली स्थितियां पैदा करके खुद को राज्य की राजनीति में वापस शामिल कर लिया, और एमजीआर के तहत अन्नाद्रमुक का गठन हुआ, और यह सुनिश्चित करके कि वह दोनों के बीच चुनावी और राजनीतिक झगड़े में एक महत्वपूर्ण मध्यस्थ बनी रही। दलों। यह तर्क 1970 के दशक से ही कायम है और यह राज्य की राजनीति में अपनी जगह तलाशने की बीजेपी की कोशिशों को भी बताता है. आश्चर्य की बात नहीं है कि 1990 के दशक के उत्तरार्ध से दोनों द्रविड़ पार्टियाँ, विशेषकर अन्नाद्रमुक, भाजपा का समर्थन करने से पीछे नहीं रही हैं। हमारी अपूर्ण संघीय राजनीति और जिस तरह से केंद्र सरकार ने राज्यों की संवैधानिक रूप से वैध शक्तियों को लगातार कम किया है, उसे देखते हुए, राज्य–आधारित राजनीतिक दलों को इस राजनीतिक भंवर पर विचार करना होगा और इसके भीतर अपनी पकड़ बनाए रखनी होगी। इसने एक निर्भीक राजनीतिक अवसर वादिता को जन्म दिया है, और इसलिए, विचारधारा वह गोंद नहीं रही है जो पार्टियों को एक साथ रखती है। भाजपा के साथ अन्नाद्रमुक के रिश्ते को ही लें, जिसे अतीत में जैविक और वैचारिक रूप से झुका हुआ माना जाता था। दिवंगत जे जयललिता के अपनी ब्राह्मण पहचान के दावे और यह सुनिश्चित करने के बावजूद कि उन्हें एक श्अच्छे हिंदूश के रूप में देखा जाता है, पार्टी ने विशिष्ट द्रविड़ आदर्शों से इनकार नहीं किया हैरू चाहे इसका आरक्षण नीति, कल्याणवाद, केंद्र से कोई लेना–देना हो– राज्य संबंध, और भाषा, संस्कृति और शिक्षा के संबंध में तमिल हितों में इसका निवेश। भले ही अन्नाद्रमुक इनमें से किसी एक या सभी मुद्दों पर अपने रुख में ढुलमुल दिखाई दे, लेकिन वह इन्हें महत्वपूर्ण और अपनी चुनावी और राजनीतिक पूंजी के रूप में देखती रहती है। एमजीआर, जिन्होंने एक बार आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण पर विचार किया था, ने इस प्रस्तावित उपाय को वापस ले लिया जब उन्हें एहसास हुआ कि यह संभवतः उनके खिलाफ काम करेगा। एमजीआर और जयललिता दोनों ने राज्य में धार्मिक रूपांतरण पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून पर विचार किया था और उसे क्रियान्वित भी किया था। लेकिन जब जयललिता को एहसास हुआ कि वह अल्पसंख्यकों और दलितों का समर्थन खोने वाली हैं तो उन्होंने यह कदम वापस ले लिया। दोनों नेताओं को वह करने के लिए प्रेरित किया गया जो उन्होंने किया क्योंकि वे खुद को उन कारणों का प्रतिनिधित्व करने वाले – एक अर्थ में, मूर्त रूप देने वाले – के रूप में देखते थे जिनका उन्होंने समर्थन किया था। वे वे कारण थे जिनका उन्होंने समर्थन किया। उनकी राजनीतिक संकीर्णता ऐसी थी कि, कई बार, यह विचारध ारा और पार्टी हितों पर हावी हो जाती थी। उन्होंने इस आत्म–छवि को क्रूर लोकलुभावनवाद की राजनीति के माध्यम से प्रबंधित कियारू कल्याण, तमिलनेस के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की एक नियमित पुष्टि, और एक तरफ सामाजिक न्याय और दूसरी ओर, हड़ताली श्रमिकों, छात्रों, राजनीतिक विरोधियों, पत्रकारों, या पर्यावरण कार्यकर्ताओं द्वारा असहमति और प्रतिरोध को रोकने के लिए बल की व्यवस्थित तैनाती और दंडात्मक आतंकवाद विरोधी कानूनों का मार्शलिंग। शायद भाजपा इसी विरासत की आकांक्षा रखती है। यह उस नेता पर निर्भर है जो हर कीमत पर प्यार पाने पर जोर देता है, अचूक है और जिसकी छवि किसी भी तरह की आलोचना से खराब नहीं की जा सकती। इसकी राजनीति लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थाओं के पोषण में मौलिक उदासीनता से प्रेरित है। इस अर्थ में, यह एआईएडी एमके की विरासत को अच्छी तरह से प्राप्त करने के लिए खड़ा है। हालाँकि, यह देखना बाकी है कि यह तथाकथित द्रविड़ मॉडल के साथ कैसे जुड़ता है। जहां तक सामाजिक न्याय का सवाल है, भाजपा ने विभिन्न रणनीतियों के माध्यम से विभिन्न गैर–ब्राह्मण जातियों को एकजुट करने की कोशिश की है, जिसमें प्रमुख जाति के हितों और संख्यात्मक रूप से नगण्य पिछड़ी और अन्य

पिछड़ी जातियों, विशेष रूप से गैर–तमिल मूल की अपील की गई है। . इनमें से कई जातियाँ पूरी तरह से दलित विरोधी हैं, और किसी भी द्रविड़ पार्टी ने उस निर्णायकता के साथ कार्य करने की कोशिश नहीं की है जो जातीय हिंदू घृणा और हिंसा को रोकने के लिए आवश्यक है। जहां तक दलितों के खिलाफ अपराधों का सवाल है, भाजपा द्वारा इन जातियों को आगे बढ़ाने से राज्य में बड़े पैमाने पर बनी हुई दण्डमुक्ति की संस्कृति का विस्तार हो सकता है। जैसा कि दलित नेताओं और लेखकों ने नोट किया है।

थोड़ी सी सावधानी बरतकर लू से बच सकते हैं - मुख्य चिकित्सा अधिकारी

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली/(हरदोई)। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. रोहताश कुमार बताते हैं कि यह बहुत ही जरूरी है कि हीट स्ट्रोक, हीट रैश और हीट क्रैम्प के लक्षणों के बारे में पता हो जिससे कि समय से इसका प्रबंधन किया जा सके। उन्होंने बताया कि इसके लक्षण हैं– कमजोरी आना, चक्कर आना, पसीना आना, सिर दर्द, और बेहोशी यदि बेहोशी आए या अन्य कोई समस्या महसूस करें तो शीघ्र ही चिकित्सक से सलाह लें। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि दोपहर 12 से तीन के मध्य बेवजह घर से बाहर न निकलें । अगर निकलना बहुत जरूरी है तो घर से बाहर निकलते समय सिर को गीले कपड़े या गमछे से ढकें, छाते का प्रयोग करें और पीने का पानी साथ रखें । हल्के रंग के कपड़े पहने जो पसीना सोखते हों। खुले हवादार कमरे में रहें। कमरे के खिड़की और दरवाजों पर परदे डालें। इसके अलावा खूब पानी पियें अगर प्यास न लगी हो तो भी पीयें। रसदार फल जैसे संतरा, तरबूज, खरबूजा, खीरा, ककड़ी, छांछ, अन्नानास नारियल पानी, नींबू पानी, घर की बनी लस्सी और ओआरएस का घोल पीयें। इसके साथ ही इस बात का भी प्रयास करें कि जहां तक संभव हो दिन के समय घर के निचले तल पर ही रहें । इस बात का भी ध्यान रखें कि जानवरों को छायादार स्थानों पर रखें । उन्हें पीने के लिए पर्याप्त पानी दें। छोटे बच्चे, गर्भवती, खुले स्थानों में काम करने वाले कामगार, बीमार व्यक्ति, बुजुर्ग और ऐसे लोग जो ठंडे स्थान से गरम स्थान की ओर जा रहे हैं वह गर्मी और लू के प्रति ज्यादा संवेदनशील होते हैं। इसलिए इन्हें ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी का कहना है कि घबरायें नहीं थोड़ी सी सावधानी बरतकर लू से बच सकते हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी इंद्रभूषण सिंह ने बताया कि ताजा, घर का बना हुआ और सुपाच्य भोजन करें। अधिक प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें। चाय, कॉफी, कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक, एल्कोहॉल, आदि का सेवन न करें क्योंकि यह शरीर में निर्जलीकरण करते हैं। इसके अलावा जो लोग खुले स्थानों पर काम करते हैं वह दोपहर में काम करने से बचें। गाढ़े रंग के तंग कपड़े न पहने और नंगे पैर घर से बाहर न निकलें।

दिल के दौरे के जांच हेतु किट शीघ्र मिलेगी - शेखर आनंद

इंडस्ट्री एकेडमिया इंटरफेस के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के संगोष्ठी भवन में सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा इंडस्ट्री एकेडमिया इंटरफेस के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इसके मुख्य वक्ता विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और हीथॉक्स – के प्राइवेट लिमिटेड के को–फाउंडर एवं डायरेक्टर शेखर आनंद रहे। उन्होंने पोस्ट कोविड प्रिवेलेंस ऑफ कार्डियो वैस्कुलर डिजीज एंड रोल ऑफ हार्नेसिंग एनटी – प्रो बीएनपी फॉर प्वाइंट ऑफ केयर टेस्टिंग इन द सीवीडी मैनेजमेंट विषय पर चर्चा की। उन्होंने दिल के दौरे के पूर्व जांच हेतु किट की उपलब्धता के बारे में कहा कि ये किट शीघ्र ही बाजार में उपलब्ध होगी। उन्होंने एनीमिया की रोकथाम के बारे में बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो वंदना राय ने कहा कि मेडिकल बायोटेक्नोलोजी के क्षेत्र में अब किट का प्रयोग आसानी से किया जा सकता है व कई प्रकार की बीमारियों की जांच के लिए अब किट बाजार में आसानी से उपलब्ध है। स्वागत भाषण में प्रो प्रदीप कुमार ने कहा कि सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल लगातार ऐसे आयोजन करता रहेगा जिससे छात्रों को इंडस्ट्री के बारे में अधिक नजदीक से सीखने का मौका मिलेगा। संचालन दीप्यामा के द्वारा किया गया। इस अवसर इस मौके पर डॉ मनीष कुमार गुप्ता, अभिषेक कन्नौजिया और समस्त विद्यार्थी व सेमिनार समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

आग लगने से घर का सामान और नगदी राख, तन पर का ही कपड़ा बचा, 4 मवेशी की मौत

–बेटी के विवाह के लिए एक–एक पाई जुटा रहा था पिता,आगजनी के चलते सपना हुआ चकनाचूर।

दैनिक देश के उपासना
क्राइम ब्यूरो धनंजय विश्वकर्मा

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के तरसावा गांव में बिजली की तार के शार्ट सर्किट से लगी आग के चलते लाखों का सामान व नगदी जलकर राख हो गई, और 4 मवेशी आग की चपेट में आने से मौत हो गई। ग्रामीणों ने घंटो मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। तरसावा गांव के निवासी जोगिंदर राजभर पुत्र राज नारायण अपने परिवार संग मड़हा (घर) पर बच्चों के साथ रोज की भाती सोए हुए थे। बृहस्पतिवार आधी रात जोगिंदर राजभर के मड़हे से आग की तेज लवर को देखा तो सोर– गुल्ल पर आनन फानन में कुछ मावेसी को बचा पाए बाकी परिवार का सारा सामान खघक में बदल गया। आग लगने से उन्हें हैरान कर दिया। झोपड़ी के अंदर ही रहने खाने सोने व खाना बनाने की व्यवस्था की गई थी,आग के दौरान रियासी झोंपडी के अंदर गैस सिलेंडर भी मौजूद था। जिसके फटने के डर ने लोगों को करीब आने से रोक दिया था। लोग बेबस होकर जलते हुए आशियाने के तरफ टकटकी लगाए हुए थे। उधर जोगिंदर व उसके परिवार का आशियाना जलता देख रो रो कर बुरा हाल हो गया परिजन चिखते पुकारते रहे लेकिन कोई मदद ना मिल पाई जिसके चलते पूरा गृहस्ती चलकर राख हो गया। जोगिंदर राजभर ने बताया कि जहां पर हमलोग सोए थे उसके बगल बुजली के पंखे की तरफ से आग की तेज लपेट ने मेरे घर में रखा सारा सामान और कपड़ा पैसा जलकर राख हो गया। ग्रामीणों के सहारे आग पर काबू पाया, इसी दौरान आग के अंगारे तेज होने से पहले आग पर काबू पा लिया बगल में गेहूं की फसल और जोगिंदर के भाई का मकान को बचा लिया। आग लगने के चलते लगभग 6 कुंटल गेहूं, 60 किलो आलू, अरहर दाल, चावल,सरसों, जेवरात, आवश्यक दस्तावेज, पुत्री की बरक्षा के लिए रखा 50 हजार रूपए नगद, खाने पीने का सामान सहित जलकर राख हो गया। मड़हे में बांधी गई 8 बकरियों में से 4 बकरी की जलकर मौत हो गया। और 4 बकरियों इलाज चल रहा है, जिसमें 1 का हालत नाजुक बताया जा रहा है।उधर सूचना मिलते ही तरसावा का ग्राम प्रधान गीता देवी, प्रधान प्रतिनिधी रणजीत गौतम उर्फ राजु भी घटना स्थल पर पहुंचकर पीड़ित परिवार

को हर संभव मदद दिलाने का आश्वासन दिया उन्होंने बताया कि लेखपाल निशा प्रिय दर्शीय को सूचना मिलने पर उन्हों ने घटना स्थल पर पहुंचकर जायजा लिया। और कहा कि पीड़ित परिवार का हर संभव मदद कराई जाएगी। जोगिंदर राजभर ने बताया कि मड़ाहा के घर में आरती पत्नी जोगिंदर, खुशबू, कृष्णा, वर्षिका, बच्चों सहित सोए हुए थे, इसी मड़हा में पीड़ित परिवार गुजर बसर करता था , इसके आलावा रहने के लिए कोई आवास नहीं है। शार्ट सर्किट ने गरीब पर और बोझ डाल दिया। जोगिंदर गैरेज का कार्य कर किसी तरह से घर परिवार का जीवन यापन करता है। 24 अप्रैल को भतीजे शिवा राजभर का विवाह है, और 28 अप्रैल को बेटी खुशबू का बरक्षा करने के लिए सभी आवश्यक सामान और पैसे का प्रबन्ध कर चुका था। बेटी के विवाह के लिए पैसा इकट्ठा कर रहा था लेकिन आग के चलते सब सपना चकनाचूर हो गया, चलते कुल लगभग 6 लाख का नुकसान हुआ है। नुकसान होने के चलते आने वाले समय में अनाज की कमी होगी और परिवार का लालन पालन कर पाना मुश्किल होगा। थानाध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा ने बताया कि पीड़ित जोगिंदर राजभर द्वारा तहरीर प्राप्त हुई है विधिक कार्रवाई की जाएगी।

आवास योजना के लिए कई चक्कर विभाग का लगा चुका था चक्कर

जोगिंदर ने बताया की बीते 4 वर्ष पहले वह अपने चार भाइयों से बंटवारा कर अपने परिवार के साथ खेत में रहने लगा था। आरोप है कि अधिकारियों के डील–डाल रवैया के चलते वह आवास योजना से वंचित रह गया समय से अगर आवास योजना का लाभ मिला होता तो शायद इतनी क्षति न होती,बाबत खंड विकास अधिकारी शाहगंज सोंधी जितेंद्र सिंह ने बताया कि दैवीय आपदा सूची में नाम दर्ज होने के बाद लाभार्थी को आवास योजना का लाभ दिलाने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

डीईओ ने ईवीएम के कमीशनिंग कार्य हेतु जीएफ कालेज में कक्षों का किया निरीक्षण

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024, 136 ददरौल विधानसभा क्षेत्र का उप चुनाव को निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने जीएफ कॉलेज में ईवीएम के कमीशनिंग कार्य हेतु चिन्हित कर कक्षो का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि बैरीकेडिग तथा सीसीटीवी का कार्य अच्छे ढंग से पूर्ण कर लिया जाए। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुये साफ–सफाई व्यवस्था ठीक ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार ससमय पूर्ण करना सुनिश्चित करें। ई0वी0एम0 मशीनों का 13 अप्रैल को प्रथम रैण्डमाइजेशन के बाद चिन्हित किए गए जी०एफ० कॉलेज में विधानसभावार भंडारण किया जायेगा। विधानसभावार आवंटित कक्ष 131–कटरा कक्ष संख्या 01 व 02, 132–जलालाबाद कक्ष संख्या 11 व 12, 133–तिलहर कक्ष संख्या 04 व 05, 134–पुवायॉ (अ0जा0) कक्ष संख्या 25 व 26, 135–शाहजहाँपुर कक्ष संख्या 13 व 14 एवं 136–ददरौल कक्ष सं0 27 व 28 में भंडारण किया जाएगा।

136–ददरौल विधानसभा उप–निर्वाचन–2024 हेतु जी०एफ०कॉलेज में ही कक्ष संख्या 07, 08 व 10 में रखी जायेगी। लोक सभा समान्य निर्वाचन–2024 तथा 136–ददरौल विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के उप–निर्वाचन, 2024 से सम्बन्धित ई०वी०एम० मशीनों के कमीशनिंग का कार्य सम्पादित किया जायेगा।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासनध्उप जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार पाण्डेय सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

ठाकुरबाड़ी महिला विकास कल्याण समिति ने चलाया मतदाता जागरूकता अभियान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। ठाकुरबाड़ी महिला विकास कल्याण समिति गौरी शंकर मंदिर सिंगरामऊ के प्रांगण में लोकसभा चुनाव के शत प्रतिशत वोट हेतु मतदाता जागरूकता कार्यक्रम रखा गया। जिसमें विशेष रूप से पहली बार वोट करने वाले युवाओं को जागरूक किया गया। राष्ट्र निर्माण में मतदान के महत्व को बताया गया सभी पहली बार मतदान करने के लिए उत्साहित दिखे सभी युवक युवतियों ने प्रसन्नता जाहिर की इस अवसर पर ज्यादातर छात्र–छात्राओं ने कहा कि हम पहली बार वोट करके ऐसे जनप्रतिनिधि का चुनाव करेंगे जिसमें युवाओं को रोजगार महिला सम्मान और स्वास्थ्य शिक्षा/स्वालंबन को बढ़ावा मिले इस अवसर पर संस्था प्रमुख डॉक्टर अंजू सिंह, कोषाध्यक्ष शीला दुबे, सौम्या सिंह रितिका सिंह तनु ,मंजू सिंह, सत्यजीत मौर्या ,शुभम सिंह, ओपी तिवारी, सद्दाम ,सहित दर्जनों छात्राएं उपस्थित रहे।

सर्विलांस सेल डीसीपी (उत्तरी) व थाना महिगवाँ पुलिस की संयुक्तटीम ने 25,000/- रूपये का एक इनामिया व अन्तर्जनपदीय शातिर लुटेरा/अभियुक्त किया गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पुलिस आयुक्त एस०बी० शिरडकर व संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) आकाश कुलहरि द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण व वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उप आयुक्त (नॉर्थ) अभिजित आर० शंकर, अपर पुलिस उप आयुक्त (उत्तरी) जितेन्द्र कुमार दूबे व सहायक पुलिस आयुक्त बीकेटी सुजीत कुमार दुबे के पर्यवेक्षण में एवं थानाध्यक्ष महिगवाँ शिवमंगल सिंह व सर्विलांस क्राइम टीम प्रभारी डीसीपी उत्तरी विश्वनाथ प्रताप सिंह के कुशल नेतृत्व में महिगवां पुलिस टीम द्वारा 01 नफर इनामिया अभियुक्त मय 01 अदद अवैध तमंचा 315 बोर, 02 अदद जिंदा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया।घटना का संक्षिप्त विवरण बताते हुए पुलिस उपायुक्त उत्तरी अभिजित आर शंकर ने कहा कि वर्ष 2017 में थाना इटौंजा क्षेत्रान्तर्गत अभियुक्त अंकुल पुत्र शिवचरन निवासी ग्राम लौहंगपुर मजरा दौलतपुर थाना महिगवाँ जनपद लखनऊ उम्र करीब 22 वर्ष ने 08 मोटरसाईकिल चोरी कर अपराध जगत मे प्रवेश किया जिसके सम्बन्ध मे थाना इटौंजा पर मु0अ0सं0 479/2017 धारा 379/411 भादवि, मु0अ0सं0 523/2017 धारा 379/411 भादवि0, मु0अ0सं0 524/2017 धारा 411/413 भादवि0 पंजीकृत हुआ तथा अभियुक्त अंकुल उपरोक्त को थाना इटौंजा पुलिस टीम द्वारा वर्ष 2020 में अवैध असलहा के साथ पकडा गया और मु0अ0सं0 141/2020 धारा 3/25 आयुध अधिनियम पंजीकृत हुआ। वर्ष 2023 में थाना माल मे अभियुक्त उपरोक्त द्वारा अपने साथियो के साथ मिलकर लूट की घटना को अंजाम दिया गया जिसके सम्बन्ध में थाना माल में मु0अ0सं0 304/2023 धारा 392/323/504/411/414 भादवि पंजीकृत हुआ, जिसमे अभियुक्त अंकुल उपरोक्त काफी समय से फरार चल रहा था और वांछित था इसी अभियोग मे गिरफ्तारी हेतु दिनांक 30/03/2024 से श्रीमान् पुलिस उपायुक्त पश्चिमी कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा अंकुल पर 25000/– रूपये का ईनाम घोषित किया गया था। वर्ष 2023 में ही अभियुक्त अंकुल उपरोक्त द्वारा अपने साथियो के साथ

मिलकर थाना घुंघटेर जनपद बाराबंकी में लूट की घटना कारित की गयी जिसके सम्बन्ध मे थाना घुंघटेर में मु0अ0सं0 240/2023 धारा 394/41) भादवि पंजीकृत हुआ, अभियुक्त अंकुल थाना घुंघटेर पुलिस द्वारा लूट के माल तथा अवैध असलहे के साथ पकड़ा गया और अवैध असलहा रखने के सम्बन्ध में मु0अ0सं0 265/2023 धारा 3/25 आयुध अधिनियम पंजीकृत हुआ तथा थाना घुघटेर में ही अभियुक्त अंकुल उपरोक्त के विरुद्ध वर्ष 2024 मे गैंगस्टर एक्ट में मु0अ0सं0 62/2024 पंजीकृत हुआ जिसकी विवेचना थाना कुर्सी से चल रही इस अभियोग में भी अभियुक्त उपरोक्त काफी समय से वांछित चल रहा था। इस प्रकार अभियुक्त उपरोक्त के विरुद्ध थाना इटौंजा लखनऊ, थाना माल लखनऊ व थाना घुंघटेर बाराबंकी मे चोरी, लूट,गैंगस्टर व अवैध असलहा रखने के सम्बन्ध मे कुल 08 अभियोग पंजीकृत है। दिनांक 10.04.2024 को थानाध्यक्ष शिवमंगल सिंह मय हमराह पुलिस बल के रोकथाम जुर्म, देखभाल क्षेत्र, तलाश वांछित चेकिंग संदिग्ध वाहन व्यक्ति में पहाडपुर चौराहे पर मौजूद थे, कि मुखबिर खास ने आकर बताया कि एक अंकुल नाम के बदमाश जिस पर थाना माल कमिश्नरेट लखनऊ से ईनाम घोषित है, तथा बराबंकी जिले के किसी थाने से गैगेस्टर मुकदमे से वान्छित चल रहा है, वह पहाड़पुर से लौहंगपुर से जाने वाले रास्ते पर मोरंग गिट्टी की दुकान से करीब 100 कदम आगे खडे होकर अपने किसी साथी का इन्तजार कर रहा है, तत पश्चात श्रीमान थानाध्यक्ष महोदय के नेतृत्व मे पुलिस बल द्वारा दो टीमो मे अलग होकर एक बारगी दबिश देकर मोरंग गिट्टी के पास खडे व्यक्ति को समय करीब 21.30 बजे पकड़कर नाम पता पूछा गया तो अपना नाम अंकुल पुत्र शिवचरन निवासी ग्राम लौहंगपुर मजरा दौलतपुर थाना महिगवाँ जनपद लखनऊ उम्र करीब 22 वर्ष बताया। जिसके पास से 01 अदद अवैध तमंचा 315 बोर व 02 अदद जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद हुआ। बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 41/2024 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर अभियुक्त को गिरफ्तार कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जा रही है।

कंप्यूटेशनल केमिस्ट्री से शोध किफायती – प्रो. राणा कृष्ण पाल सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा कंप्यूटेशनल केमिस्ट्री एंड मॉलिक्यूलर डिजाइन विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन हुआ। यह कार्यशाला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के एक्सीलरेट विज्ञान स्कीम के अंतर्गत आयोजित की जा रही है। उदघाटन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. राणा कृष्ण पाल सिंह ने कहा कि कंप्यूटेशनल केमिस्ट्री में शोध की असीम संभावनाएं है। कंप्यूटेशनल केमिस्ट्री से शोधात्मक प्रयोग करने में मदद मिलती हैं। कंप्यूटेशनल केमेस्ट्री के प्रयोग से शोध के परिणाम प्राप्त करने में आसानी होती है तथा यह बहुत किफायती भी होता है। प्रो सिंह ने कहा कि कंप्यूटेशनल केमिस्ट्री की मदद से उच्च कोटि की दवा के शोध में मदद मिलती है। प्रो. सिंह ने प्रतिभागियों को कार्यशाला के पूर्ण मनोयोग से प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना के डॉ. रंगनाथ सुब्रमण्यम ने कंपटीशन केमिस्ट्री की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि गासियन के प्रयोग से कंप्यूटेशनल केमिस्ट्री के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद के प्रोफेसर अनिमेष कुमार ओझा ने डीएफटी के प्रयोग से रसायन विज्ञान में शोध की महत्ता पर प्रकाश डाला। सत्र की अध्यक्षता कर रहे रज्जू भैया संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि कंप्यूटर आज के समय में शोध के आवश्यक हिस्सा है। बिना कंप्यूटर के शोध की कल्पना नहीं को जा सकती है। कार्यशाला की रूपरेखा कार्यशाला के संयोजक डॉ नितेश जायसवाल ने प्रस्तुत की। डॉ. जायसवाल ने कहा कि यह कार्यशाला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा एक्सीलरेट विज्ञान स्कीम के अंतर्गत आयोजित की जा रही है। इस कार्यशाला में विभिन्न राज्यों के कई विश्वविद्यालय एवं संस्थाओं के 25 छात्र प्रतिभाग कर रहे हैं। कार्यशाला का संचालन शोध छात्र प्रिया सिंह ने किया । अतिथियों का परिचय डॉ. मिथिलेश यादव ने कराया । धन्यवाद ज्ञापन रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ प्रमोद कुमार ने किया स इस अवसर पर के डॉ दिनेश कुमार वर्मा, डॉ नीरज अवस्थी, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह, डॉ. आलोक वर्मा, डॉ. सौरभ सिंह, डॉ सुजीत, डॉ काजल डे, डॉ धीरेंद्र चौधरी तथा पीएचडी शोधार्थी और बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहीं।

वरिष्ठ पत्रकार आर पी मिश्र का निधन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

तरबगंज, गोण्डा। तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत घांचा निवासी वरिष्ठ पत्रकार डा. आर पी मिश्र का निधन हो गया। 54 वर्षीय श्री मिश्र कैंसर से पीड़ित थे और पिछले कई दिनों से जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती थे। सरल स्वभाव के धनी श्री मिश्र वर्ष 2001 से लखनऊ के एक प्रतिष्ठित दैनिक में अधिकृत संवाददाता रहे। उन्होंने कई वर्षों तक साप्ताहिक पत्र का संपादन प्रकाशन किया। पिछले कई वर्षों से वह समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय थे। वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र प्रसाद मिश्रा के निधन पर विभिन्न पत्रकार संगठनों ने शोक व्यक्त करते हुए

कहा है कि श्री मिश्र का निधन पत्रकारिता क्षेत्र में एक अपूर्णनीय क्षति है। पत्रकारों ने उन्हें समाचार लेखन क्षेत्र में शब्दों के जादूगर कहकर भावभीनी श्रद्धांजलि दी है।

अपर निदेशक ग्रेड–2 द्वारा वृहद गौ आश्रय स्थल रैया का किया औचिक निरीक्षण

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। दिनांक 9– 4– 2024 समयानुसार लगभग 11:00 बजे डॉक्टर वी के सिंह अपर निर्देशक ग्रेड–2 लखनऊ मंडल लखनऊ द्वारा वृहद गौ आश्रय स्थल रैथा विकासखंड चिनहट लखनऊ का औचक निरीक्षण किया गया निरीक्षण के समय कुल संरक्षित 152 गोवंश जिसमे 68 नर एवं 84 मादा गो वंश मौके पर संरक्षित मिले जो कि गौशाला पर मौजूद गोवंश संख्या रजिस्टर पर अंकित मिले गौशाला का संचालन कर रहे एनजीओ श्री साई बाबा सेवा समिति के सचिव श्री पंकज श्रीवास्तव एवं उनके पुत्र श्री शशांक श्रीवास्तव को गौशाला की फेंसिंग मजबूत करने के साथ–साथ गौशाला की नियमित साफ–सफाई पानी पीने के हौद की नियम सफाई एवं भूसा भंडारण के निर्देश अपर निदेशक लखनऊ मंडल द्वारा प्रदान किए गए पशुओं का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है साथ ही समस्त संरक्षित गोवंशों का टीकाकरण एवं कृमि नाशक दवापान कराया गया है पशुओं की सब प्रतिशत ईयर टैगिंग मौके पर मिली निरीक्षण के समय डॉक्टर आर पी सचान पशु चिकित्सा अधिकारी भिठौली श्री सौरभ कुमार गुप्ता पशुधन प्रसार अधिकारी अल्लू नगर डिगुरिया श्री शिवकंठ पशुधन प्रसार अधिकारी पश्चिम गांव उपस्थित रहे।

रामनवमी की तैयारियों जुटा नगर निगम, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने किया निरीक्षण

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार पड़ रही रामनवमी पर भारी भीड़ आने की संभावना को देखते हुए नगर निगम ने तैयारी शुरू कर दी हैं। महापौर श्री गिरीश पति त्रिपाठी ने सफाई व्यवस्था के साथ ही नालियों में एंटी लारवा का छिड़काव तथा फागिंग कार्य का जायजा लेने के लिए हनुमानगढ़ी के आसपास तथा रामकोट इलाके का निरीक्षण किया।उन्होंने अधीनस्थ कर्मचारियों को समय से पहले एंटी लारवा का छिड़काव हर हाल में पूरा कर लेने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि इस मामले में लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। मच्छरों की रोकथाम के लिए अयोध्या के हर वार्डों के गली, मोहल्लों में एंटी लार्वा छिड़काव, फागिंग, नालियों की साफ–सफाई, खुली नालियों को ढकना, जगह जगह जल भराव का निस्तारण के लिए कई टीमों का गठन किया गया है, जिससे यहां रहने वाले अयोध्यावासियों व बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्या ना हो।

बीकापुर पुलिस द्वारा अभियान चला कर फरार चल 14 वारंटी को किया गया गिरफ्तार

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राज करन नय्यर के निर्देश पर बीकापुर कोतवाली पुलिस द्वारा चलाए गए अभियान के तहत न्यायालय से फरार रहे एक दर्जन से अधिक फरार चल रहे वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया।जिसमें मोतीराम निषाद पुत्र झाडूराम निषाद निवासी मालिकपुर दराबगंज,चन्द्रभान पटेल पुत्र गजराज निवासी वासुदेवपुर,वासुदेव यादव पुत्र छोटकायी यादव निवासी कोड़ा भावापुर, पप्पू पुत्र रामहेत निवासी सोनवर्षा डिहवा का पुरवा बल्दी मिश्रा का पुरवा,कल्लू उर्फ अवधेश सिंह पुत्र राममिलन निवासी असरेवा,लक्ष्मण पुत्र राममिलन निवासी ग्राम बल्दी मिश्र का पुरवा कोछा,श्रीमती साबित्री पत्नी रामपाल निवासी ग्राम बल्दी मिश्र का पुरवा कोछा,रीता पुत्री राममिलन समस्त निवासी ग्राम बल्दी मिश्र का पुरवा कोछा,सादिर पुत्र गुटान निवासी ग्राम नन्दरौली,सुरेश पुत्र गूंगे समस्त निवासी ग्राम नन्दरौली,मायाराम निषाद पुत्र दयाराम निषाद निवासी नन्दरौली,बलिकरन पुत्र मग्धू निवासी भावापुर,हरिश्चन्द्र पुत्र रामधीरज निवासी कनांवा,जावेद पुत्र जागीर निवासी नई बस्ती चौरे बजार को गिरफ्तार किया गया।जिसमें दो महिलाएं शामिल हैं। इस संबंधा में कोतवाली बीकापुर प्रभारी निरीक्षक लालचंद सरोज ने बताया कि शुक्रवार को सभी वारंटी का चालान करके न्यायालय भेजा गया है। लोकसभा चुनाव सकुशल संपन्न करने के लिए पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

थाना चिनहट पुलिस टीम द्वारा डकैती के घटना का सफल अनावरण करते हुए 25 हजार रूपये के इनामिया एक शातिर अपराधी को किया गया गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। थाना चिनहट पुलिस टीम द्वारा डकैती के घटना का सफल अनावरण करते हुए 01 नफर 25 हजार के इनामिया शातिर अभियुक्त को नरियावल तिराहा के पास जिला बरेली से समय 15.05 बजे गिरफ्तार किया गया । अनावरित अभियोग मे नियमानुसार विधिक कार्यवाही अमल मे लायी जा रही है। अपराध एवं कार्यवाही का संक्षिप्त विवरण बताते हुए पुलिस ने कहा कि दिनांक 27.01.2024 को वादी संजीव अग्रवाल द्वारा लिखित तहरीर के आधार पर अभियोग पंजीकृत कराया गया कि इनके देवा रोड अपट्रान स्थित बालाजी ट्रासफार्मर फैक्ट्री में 8–10 अज्ञात व्यक्तियो द्वारा दीवाल फाद कर फैक्ट्री में घुसकर सुरक्षा गार्ड को बंधक बनाकर पिस्टल दिखाते हुए कमरे में बंधक बनाक फैक्ट्री के अन्दर से कापर का तार व लोहे की प्लेटें लूट कर ट्रक मे लादकर भाग गये है उक्त तहरीर पर तत्काल सुसंगत धारा मे अभियोग पंजीकृत कर थाना चिनहट, सर्विलांस सेल, क्राइम टीम व अन्य विभिन्न टीमें गठित कर घटना के अनावर हेतु इलेक्ट्रानिक साक्ष्य, सीसीटीवी कैमरो व सोशल मीडिया अन्य साक्ष्य संकलन की कार्यवाही के क्रम मे मटियारी चौकी पर घटना में प्रयुक्त वाहन डीसीएम नं0 UP25AT9774 के संबंध मे आपस मे विचार विमर्श कर रहे थे कि पुलिस उपायुक्त पूर्वी की क्राईम टीम पर आ गये जिनसे आपसी विचार परामर्श के पश्चात वाहन स्वांमी के संबंध में ई–चालान एप पर देखा गया।

तो धरातलीय अभिसूचना एंव सोशल मीडिया एंव इलेक्ट्रोनिक साधनो के माध्यम से वाहन स्वामी के सत्यापन व अन्य जानकारी हेतु मै प्रभारी निरीक्षक चिनहट मय हमराही मय अधि०/कर्म0गण विभिन्न प्राईवेट साधनों से जनपद बरेली के लिए प्रस्थान किया गया वाहन स्वामी के घर के आसपास गोपनीय तौर पर जानकारी करने हेतु मुखविर खास को घटना के संबंध मे अवगत कराकर मामूर किया गया कि कुछ देर बाद मुखविरखास ने आकर बताया कि मुकदमा उपरोक्त में वांछित अभियुक्त अनीश फर्फ गन्ठा जो बरेली भाग गये है वो नरियावल तिराहे के पास पहुंचा तभी मुखाबिर खास ने दूर आते हुए व्यक्ति के तरफ इशारा किया कि यही अनीश उर्फ गन्ठा है जिसका पता लगाने के लिए आप ने कहा था इतना कह कर मुखाबिर खास गाडी से उतार कर चला गया जिसे हमराहियान अधि०/कर्मचारी को अपने–अपने साधन से नरियावल तिराहा के पास से कई यात्री दिखाई दिये मुखाबिर द्वारा दूसरे से बताये व्यक्ति को नजदीक आने पर सभी अधि०/कर्मचारीगण एकबारगी दबिश दे कर एक व्यक्ति को पकड़ लिया पकडे गये व्यक्ति से नाम पता पूछते हुए जामा तलाशी ली गयी। जिसमें अभियुक्त अनीश उर्फ गन्ठा बताया जिसे मौके पर गिरफ्तार कर लिया गया।

कारागार परिसर स्थित जंगल में लगी आग पर फायर दस्ते ने पाया काबू

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। नगर कोतवाली के सिविल लाइन क्षेत्र में मंडल कारागार परिसर स्थित जंगल में आग लग गई। मौके पर पहुंचे अग्निशमन विभाग के दो फायर टेंडर ने आग पर काबू पाया है।बताया गया कि कारागार परिसर में गुरुवार की दोपहर महिला कारागार के बगल स्थित जंगल में अचानक तेज धुआ उठा और आग लग गई।धुएं का गुबार उठा तो आसपास के लोगों को मामले की जानकारी हुई तथा आग लगने की सूचना अग्निशमन विभाग को दी गई।मामले की सूचना मिलते ही सीएफओ एमपी सिंह के निर्देश पर एफएसओ नागेन्द्र प्रसाद द्विवेदी के नेतृत्व में अग्निशमन विभाग से एक फायर टेंडर दस्त लेकर खुद घटना स्थल पर पहुंच कर आग पर बुझाने में जुट गए। इस संबंध में एफएसओ नागेन्द्र प्रसाद द्विवेदी ने एक और फायर टेंडर मौके पर बुलाया गया।दो फायर टेंडर की मदद से आग पर काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि आगजनी की इस घटना ने समय से जानकारी मिल जाने के चलते ज्यादा नुकसान नहीं हुआ।उन्होंने बताया कि महिला कारागार के बगल स्थित जंगल में आग लगी थी।उन्होंने बताया कि दस्ते में आग बुझाने में ग्रामीणों के अलावा मनोज सिंह, अवधेश पांडेय, राकेश मिश्र,सूर्य कुमार यादव, संदीप सहित अन्य फायर कर्मी शामिल रहे।

'शिवसेना के युवा सेना ने राष्ट्रपति को पत्र भेजकर मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ को भारत रत्न देने की मांग की'

अयोध्या (रिपोर्टर) कृष्ण कुमार। शिवसेना के युवा सेना ने महामहिम राष्ट्रघ्पति को पत्र भेजकर यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ को भारत रत्न देने की मांग की, यह मांग शिवसेना के पूर्व जिला सचिव सतीश चन्द चौधरी ने की, सतीश चंद्र चौधरी ने कहा भारत के महान पूर्व उपप्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी जी को महामहिम द्वारा भारत रत्न दिया गया जिसका हम सम्मान करते है परन्तु भारत के राजनैतिक रत्न एवं हिन्द हृदय सम्राट योगी आदित्यनाथ जी को भी यह सम्मान दिया जाना चाहिये, जिसके वे अधिकारी है योगी के जीवन से युवाओं में सीख लेकर एक अखण्ड भारत का निर्माण करने का भाव जगाया है। भारत का ऐसा वीर योगी पुरूष जिसने अपना सम्पूर्ण जीवन हिन्दू राष्ट्र के नाम कर दिया, ऐसे व्यक्ति को भारत रत्न देना सरकार का उत्तर दायित्व है।

आईजी मध्य क्षेत्र केन्द्रीय रिजर्व पुलिस ने जवानों के परिजनों को सौंपी चाभी

अयोध्या। एयरपोर्ट रोड चांदपुर हरवंश स्थित 63 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के नवनिर्मित कैंपस में जवानों के 128 पारिवारिक आवासों का उद्घाटन आईजी मध्य क्षेत्र केन्द्रीय पुलिस बल सतपाल राव के द्वारा किया गया।इस मौके पर पूर्व पुलिस महानिरीक्षक केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल अनिल मोहन, छोटेलाल कमांडेंट 63 बटालियन,सरकार राजारमन कमांडेंट, ऋषभ यादव सहायक अभियंता सिविल ,तथा कौशलेंद्र प्रताप सिंह सहायक अभियंता विद्युत ,के अलावा 63 बटालियन के अन्य अधिकारी,जवान तथा उनके परिवारों के सदस्य मौजूद रहे। इस मौके पर उन्होंने जवानो के परिजनों को आवास की चाभी सौंपी।

डा0. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ में विश्व पार्किंसन्स दिवस पर न्यूरोलाजी विभाग ने चलाया जागरूकता अभियान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रतिवर्ष 11 अप्रैल को विश्व पार्किंसन दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष इस उपलक्ष्य में लोहिया संस्थान के न्यूरोलॉजी विभाग ने संस्थान के निदेशक प्रो0(डा0) सी0एम0 सिंह के मार्गदर्शन एवं प्रो0 अजय कुमार सिंह, न्यूरोलॉजी विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में 10 व 11 अप्रैल 2024 को जागरूकता अभियान चलाते हुए साथ ही में संगोष्ठी कार्यशाला का भी आयोजन किया, जिसमें पार्किनसन्स रोग के मरीजों से संवाद कर उनकी समस्याओं के निवारण एवं निस्तारण हेतु जागरूक किया गया। न्यूरोलॉजी विभाग के अनुभवी आचार्य प्रो० (डॉ०) दिनकर कुलश्रेष्ठ ने बताया कि यह अल्जाइमर रोग के बाद केन्द्रिय तंत्रिका तंत्र की दूसरी सबसे आम अपक्षयी (डिजैनरेटिव) बीमारी है। इसमें शरीर में कंपन, चाल में परिर्वतन, कड़ापन व कार्यशैली में धीमापन आने लगता है। सहआचार्य, डॉ० अब्दुल कवी ने डोपामीन नामक रसायन पदार्थ की कमी को इस रोग का इसका मुख्य कारण बताते हुए, (लीवोडोपा) नामक दवा के नियमित सेवन से बीमारी के लक्षणों पर काफी देर तक काबू पाये जाने के विषय में अवगत कराया। जब दवाएं बेअसर होती हैं तब डीप ब्रेन स्टिमुलेशन नामक फंक्शनल शल्य चिकित्सा से लक्षण कम किए जा सकते हैं। पी०एम०आर० विभाग के अध्यक्ष प्रो० (डॉ०) विरिंदर सिंह गोगिया ने पार्किनसन्स रोग में व्यायाम, रिलेक्सेशन,नियमित स्पीच एक्सरसाइज के फायदों पर प्रकाश डाला।

मुख्य आहार विशेषज्ञ पूनम तिवारी ने इस रोग में पौष्टिक आहार, मौसमी फल और सब्जियों के सेवन की महत्वता के विषय में अवगत कराया। संस्थान ने रोगियों के प्रति समर्पण व प्रतिबद्धता के तहत अंत तक विषमताओं से जूझ रहे रोगियों के प्रश्नों से रूबरू होकर न्यूरोलॉजी विभाग के विशेषज्ञ सुपरस्पेशलिस्ट चिकित्सकों के दल उनके निवारण व निराकरण से अवगत कराया। इस प्रकल्प को वहां कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनता जनार्दन द्वारा खूब सराहा गया।

अयोध्या स्वामी महेश योगी द्वारा अनवरत 11 दिवसीय कपालभाति प्राणायाम करने की साधना से बनेगा विश्व रिकर्ड

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या सिद्धपीठ श्री हनुमानगढ़ी बसंतिया पच्छी अयोध्या के लोकप्रिय संत महेश दास उर्फ स्वामी महेश योगी ने योग, कला व साहित्य में अनेकों विश्व रिकार्ड बना कर यशची भारत का गौरव बढ़ाया है। उसी क्रम में अब श्री योगी जी ने योग मैं अब तक का सबसे बड़ा विश्व कीर्तिमान स्थापित करने हेतु अनवरत 11 दिवस तक रातदिन कपालभाति प्राणायाम करने जा रहे हैं। वे इस आयोजन के तहत लगातार 2100000 (इक्कीस लाख) स्ट्रोक कपालभाति करने का विश्व रिकॉर्ड बनायेंगे। यह आयोजन 5 सितंबर 2024 को दिल्ली में होना सुनिश्चित है। किन्तु 11 दिवस की इस कपालभाति संकल्प साधना को निर्विघ्नम पूर्वक पूर्ण करने हेतु स्वामी महेश योगी 2 अप्रैल 2024 दिन मंगल वार से अपने निज आश्रम गोविंदगढ़ हनुमानगढ़ी में 6 माह तक अन्न त्यागकर प्रतिदिन 11 घंटे कपालभाति की साधना करेंगे। 22 नवंबर 2022 को सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी में अयोध्या के वरिष्ठ संत जनों की उपस्थिति में स्वामी महेश योगी ने श्री हनुमान जी का आशिर्वाद लेकर 14 वर्ष के अंतराल में भारत के चारों दिशाओं में चार दिव्य योग धाम की स्थापना का संकल्प लिया था, इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए महेश योगी ने अपने पूज्य गुरुदेव भगवान स्वर्गीय श्री संतोष दास जी की सहमति से 14 वर्षीय यात्रा को सफल आयाम तक ले जाने हेतु पांच संकल्प लिए थे जिसमें से एक 11 दिवस अनवरत कपालभाति करने का भी रहा। उनकी हार्दिक इच्छा थी कि यह साधना महेश योगी श्री हनुमानगढ़ी गर्भगृह में हनुमान जी के दर्शनौघांत आरंभ करें किसकी तिथि भी उन्होंने मार्च माह में नियत की थी, किंतु आज उनकी ना मौजूदगी में स्वामी महेश योगी अपने निज आश्रम गोविंदगढ़ हनुमानगढ़ी में इस साधना को आरंभ कर रहे हैं। योग व कपालभाति मैं साधना करना व रिकॉर्ड बनाना स्वामी महेश योगी के लिए यह पहला वाक्या नहीं है इसके पहले भी इन्होंने 2018 में सिद्धार्थनगर के डुमरियागंज में 13 घंटे कपालभाति करने का विश्व रिकॉर्ड बनाया तत्पश्चात सन 2018 में योग गुरु स्वामी रामदेव जी व राजस्थान की तत्कालीन मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे जी के संयोजन में 23 घंटे 10 मिनट कपालभाति करने का नया

कीर्तिमान स्थापित किया तथा 2019 में ही मेवाड़ इंस्टीट्यूशन गाजियाबाद में महेश योगी ने पुनः 51 घंटे 10 मिनट तक कपालभाति करने का विश्व कीर्तिमान स्थापितकर पुरी दुनिया को चौका दिया। इस विशिष्ठ उपलब्धि के लिए योगगुरु स्वामी रामदेव जी, श्री श्री रविशंकर जी, मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे व भारत के अन्य विशेष जनों ने महेश योगी को शुभकामनाएं प्रेषित कर बढ़ाई दी। इसके अतिरिक्त महेश योगी ने गुजरात सरकार के निर्देशन में 51 घंटे अनवरत योग मैराथन, अंबेडकर नगर में अनवरत 76 घण्टे योग मैराथन तथा 2019 में महाराष्ट्र सरकार के निर्देशन में सवा घंटे शीर्षासन में कपालभाति करने का रिकॉर्ड तथा राजस्थान मेवाड़ में 1 मिनट में 21 बार सूर्य नमस्कार करने का विश्व रिकॉर्ड बना चुके हैं। इसके अतिरिक्त चित्रकला के क्षेत्र में 11000 चित्रों का सृजन करने व भारत के महान मनीषियों की सबसे बड़ी व्यक्ति चित्र श्रृंखला बनाने का विश्व रिकॉर्ड व साहित्य के क्षेत्र में दिव्य भारत गौरव ग्रंथ लिखने व भारत ऋषि ज्ञान एनसाइक्लोपीडिया लिखने का विश्व कीर्तिमान बना चुके हैं। सन 2022 में दिव्य भारत निर्माण यात्रा आरंभ करते समय से ही स्वामी महेश योगी ने 14 वर्ष के लिए चरण पादुका का त्याग व एक वख धारण करने का संकल्प लिया था जिसका अनुपालन वे करते आ रहे हैं। महेश दास उर्फ स्वामी महेश योगी दिव्य भारत निर्माण ट्रस्ट के संस्थापक भी है।

सीएसआईआर–सीडीआरआई लखनऊ में फिनोम इंडिया–सीएसआईआर हेल्थ कोहोर्ट नश्वलेजबेस

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सीएसआईआर–केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान लखनऊ में 4 से 10 अप्रैल, 2024 तक आयोजित फिनोम इंडिया–सीएसआईआर हेल्थ कोहोर्ट नॉलेजबेस के तहत सप्ताह भर से चल रहे स्वास्थ्य जांच शिविर कल संपन्न हुआ। इस शिविर का आयोजन सीएसआईआर –सीडीआरआई कर्मचारियों एवं पेंशनभोगियों के साथ–साथ उनके परिवार के लिए स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देना एवं समय पर रोग की पहचान को सुविधाजनक बनाने के लिए गया था। इस शिविर का उद्देश्य भारतीय जनता के बीच कार्डियोमेटाबोलिक बीमारियों के जोखिम तथा कारकों की पहचान करना था, जिन्हें हाल के वर्षों में भारतीय आबादी के बीच प्रमुख स्वास्थ्य समस्याओं के रूप में पहचाना गया है। PI-CHeCK पांच वर्षीय कार्यक्रम है जो वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के द्वारा शुरू किया गया है। तथा यह पहल एक पूर्णतरू समृद्ध स्वास्थ्य जांच के लिए सीएसआईआर परिवार को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। सीएसआईआर पूरे देश में स्थित 37 प्रयोगशालाओं के नेटवर्क के साथ भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत भारत के सबसे बड़े अनुसंधान और विकास संगठनों में से एक है। सीएसआईआर–आईजीआईबी, नई दिल्ली पीआई–चेक स्वास्थ्य जांच शिविर के लिए नोडल प्रयोगशाला है।

सीएसआईआर–सीडीआरआई में जांच शिविर का उद्घाटन 4 अप्रैल, 2024 को संस्थान की निदेशक डॉ. राधा रंगराजन द्वारा किया गया था एवं इसे स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों एवं स्वयंसेवकों की एक टीम ने संचालित किया था। सीएसआईआर–सीडीआरआई टीम का नेतृत्व डॉ. अमित लहिरी, डॉ. मृगांक श्रीवास्तव एवं डॉ. विवेक भोसले ने किया, जबकि सीएसआईआर–आईजीआईबी टीम का नेतृत्व डॉ. सुधीर रोहिल्ला ने किया। सीडीआरआई से डॉ. शैल सिंह और श्री उमेश कुमार ने परियोजना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कई शोधकर्ता विद्वानों और छात्रों ने शिविर के लिए स्वयंसेवकों के रूप में कार्य किया। PI-CHeCK पहल का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य कल्याण एवं जांच के माध्यम से स्वस्थ भारत विकसित भारत सुनिश्चित करना है। सीडीआरआई निदेशक ने कहा कि PI-CHeCK सिर्फ एक स्वास्थ्य जांच शिविर नहीं बल्कि यह हमारे देश के अद्वितीय स्वास्थ्य परिदृश्य को समझने की दिशा में एक अग्रणी कदम है। PI-CHeCK के माध्यम से विविध डेटा एकत्र करके, सीएसआईआर अनुकूलित स्वास्थ्य देखभाल समाधानों का मार्ग प्रशस्त करने तथा चिकित्सा ज्ञान की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है।

सीएसआईआर–सीडीआरआई के जांच शिविर में 310 से अधिक वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और उनके परिवारों की भागीदारी देखी गई। स्वास्थ्य जांच शिविर मे विभिन्न जांच हुए जिसमे रक्त परीक्षण, रक्तचाप की निगरानी, रक्त शर्करा स्तर का परीक्षण, रक्त कोलेस्ट्रॉल स्तर की निगरानी, बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई), ईसीजी, लिवर फाइब्रोस्कैन, फेफड़ों के लिए स्पिरोमेट्री एवं ऑसिलोमेट्री जैसे कई परीक्षण शामिल थे।

सभी सीएस आईआर प्रयोगशालाओं में यह जांच शिविर पूरा होने के बाद, यह स्वास्थ्य समूह अध्ययन 10,000 से अधिक व्यक्तियों की जीवनशैली तथा आहार संबंधी आदतों के बारे में दीर्घकालिक व्यापक डेटा उत्पन्न करेगा जो स्वास्थ्य सेवाओं के मार्गदर्शक के रूप में काम करेगा।

फरमान नेचुरोपैथी क्लीनिक एवं फिजियोथैरेपी सेन्टर दुबग्गा लखनऊ के संचालक डा. एम एच सिद्दीकी के जानिब से तमाम अहेले वतन को ईद उल फितर और नवरात्रि की तहे दिल से मुबारकबाद

डा. एम. एच. सिद्दीकी

मो0 नं0 - 9336908995

पता - दुबग्गा लखनऊ

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या - 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।